

गायलय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

आदेश पत्रक

पक्ष

बनाम

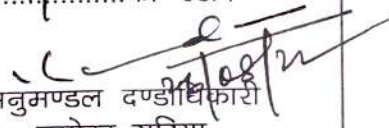
..... प्रथम पक्ष

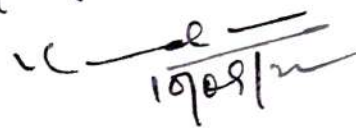
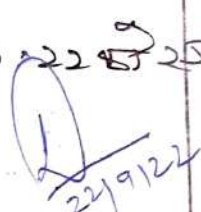
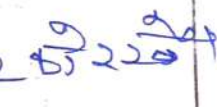
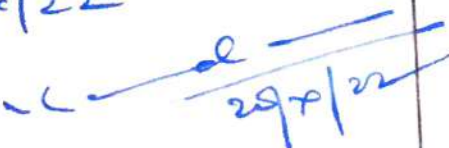
 द्वितीय पक्ष

देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता० से तक
 जिला गिरिडीह।

विविध वाद संख्या 100 सन् 2021
 धारा 172A द0प्र0स0

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>अभिलेख उपस्थापित। आवेदक घमरु महतो पिता स्व० वकील महतो, साकिन-खेतको के आवेदन का अवलोकन किया। आवेदक के आवेदन के अवलोकन से स्पष्ट है कि मौजा-खेतको, खाता नं०-102, प्लॉट नं०-1720, रकवा-20 डी० भूमि में दखल-कब्जा को लेकर विवाद है। उभय पक्षों को नोटिस निर्गत करें कि क्यों नहीं प्रश्नागत भूमि पर निषेधाज्ञा लागू कर दी जाये। इस सम्बन्ध में अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी से भी प्रतिवेदन माँगे।</p> <p>अभिलेख दिनांक.....10/09/22.....को रखें।</p> <p style="text-align: center;">  अनुमंडल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया </p>	

श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
<u>10/9/22</u>	अमिलेख उपस्थित। उमर पक्ष अनुप To 22/09/22 	
<u>22/9/22</u>	उमर पक्ष अनुपस्थित। पीला सीने पका अन्त कार्रवाई के अस्त। अमिलेख दिनांक 6.10.22 को 22/9/22 	
<u>6.10.22</u>	उमर पक्ष अनुप अमिलेख दिनांक 20.10.22 को 22/10/22 	
<u>20.10.22</u>	प्रथम पक्ष उपप। द्वितीय पक्ष अनुप अमिलेख दिनांक 20.10.22 को 22/10/22 प्रथम पक्ष की ओर से जवाब दाखिल। To 22/10/22 	

श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
22/10/22	<p>आदेश हेतु अभिलेख उपस्थापित।</p> <p>प्रशासन बाद प्रथम पक्ष के आवेदन के आलोक में प्रारम्भ किया गया। बाद की श्रमि प्रथम पक्ष को निबंधित केवाला के माध्यम से प्राप्त है। उक्त केवाला द्वारा महानो एवं डेगीवाल महानो द्वारा वर्ष 2014 में प्रथम पक्ष के हित में निष्पादित किया गया था। जमीन लगीगी के पश्चात् प्रथम पक्ष के द्वारा नामांतरण करवा कर मालगुजारी रसीद हासिल किया गया था।</p> <p>प्रथम पक्ष ने अपने उक्त दावे के सबब-ध में निबंधित विडय-पत्र की छाया प्रति एवं एक लगान रसीद दिनांक - 13/03/14 की छाया प्रति दाखिल किया गया है।</p> <p>प्रथम पक्ष का आरोप कहना है कि डीपीय पक्ष के सहयोग द्वारा प्रशासन श्रमि पर प्रथम पक्ष के सदस्यों को खेती कार्य को से बाधित किया गया है। उमय के कारण प्रथम की मांग की गई। विपरीत</p>	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>द्वारा कारण प्रस्ताव दारिद्र्य नहीं किया गया और न ही मॉरिक्क रूप से अपना पता रखा गया।</p> <p>प्रथम पक्ष के द्वारा लिखित कारण प्रस्ताव दारिद्र्य किया गया तथा मॉरिक्क रूप से भी अपना पता रखा गया। प्रथम पक्ष द्वारा अपना विवाह के परिचा बंदबारा के अउ ^{साम्य} सार जमीन का कय किया है जब किन इतीम पक्ष नया बंदबारा के अउ सार जमीन पर काबिजा होना चाहते हैं जो इस विवाद का प्रम कारण है। स्पष्टता यह विवाद आपसी बंदबारे से संबन्धित है, अतः उभय पक्ष को निर्देश दिया जाता है कि समय -मायामय में अपना पता रख कर विवाद का समाधान करायें।</p> <p>चूंकि जमीन की बिडी प्रथम पक्ष के हित में हो चुकी है तथा लगान रकम भी निर्गत है, अतः नियम को प्रथम पक्ष के हित में रिक्त घोषित किया जाता है तथा इतीम पक्ष के विरुद्ध निरपेक्ष घोषित किया जाता है। काद की कार्यवाई समाप्त की जाती है।</p>	